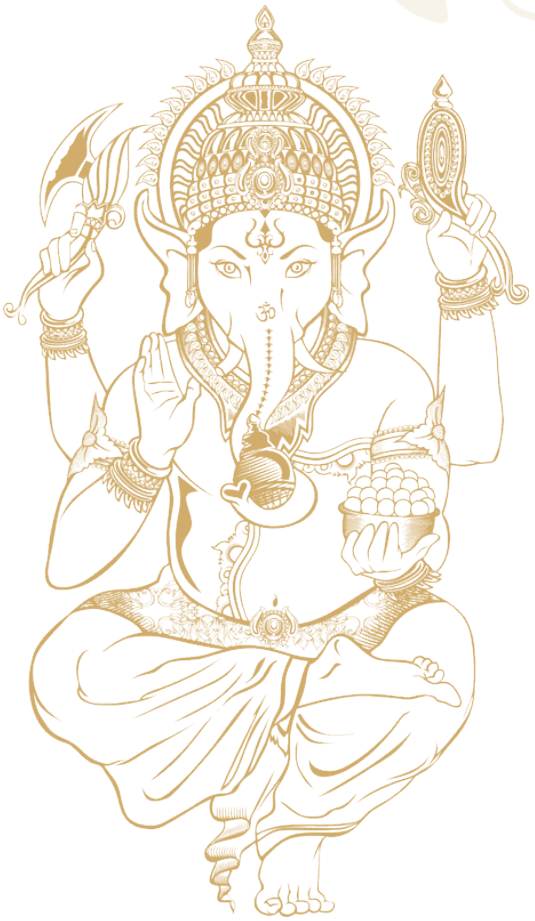

Adhiraaj

05 Sep 2025

10:46 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121753403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/09/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:46:08 घंटे**
इष्ट	11:52:18 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:25:00 घंटे
वेलान्तर	00:01:18 घंटे
साम्पातिक काल	09:23:17 घंटे
सूर्योदय	06:01:12 घंटे
सूर्यास्त	18:37:49 घंटे
दिनमान	12:36:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:41:56 सिंह
लग्न के अंश	19:59:27 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	19:59:27	308:01:20	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
सूर्य			सिंह	18:41:56	00:58:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	16:06:37	13:22:13	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल			कन्या	24:26:43	00:39:13	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	10:54:48	01:56:17	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	24:23:58	00:10:23	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	18:25:08	01:12:20	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	05:30:27	00:04:20	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:07:56	00:00:30	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:07:56	00:00:30	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:14:47	00:00:03	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:02:14	00:01:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:29:14	00:00:59	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	24:10:14	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:01

लग्न-चलित

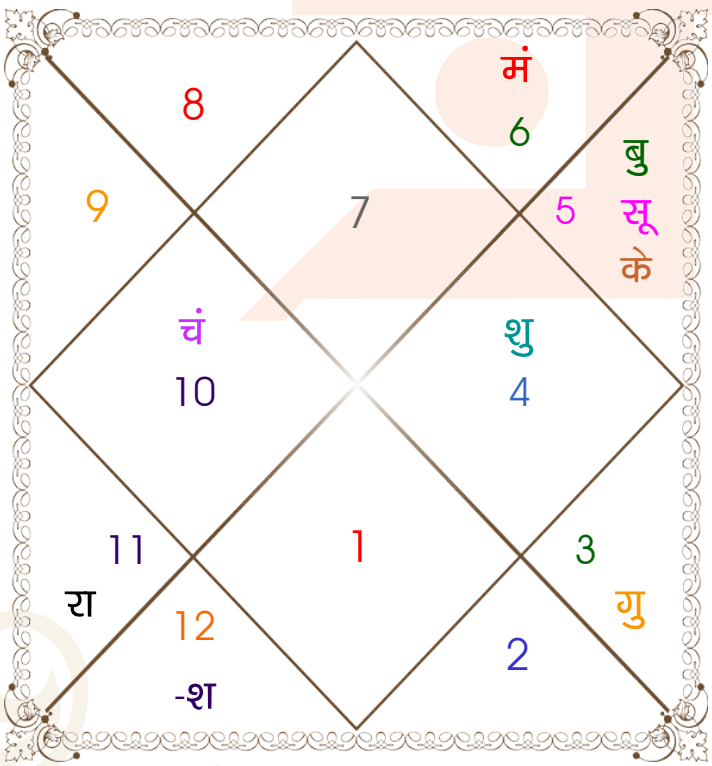

चन्द्र कुंडली

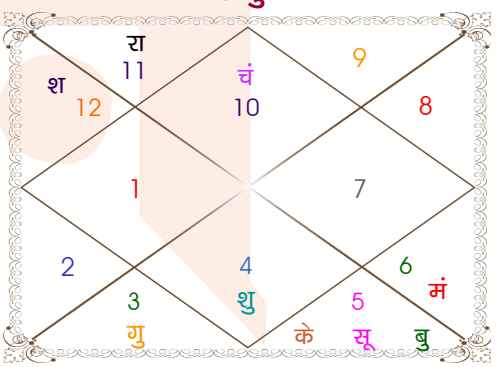

नवमांश कुंडली

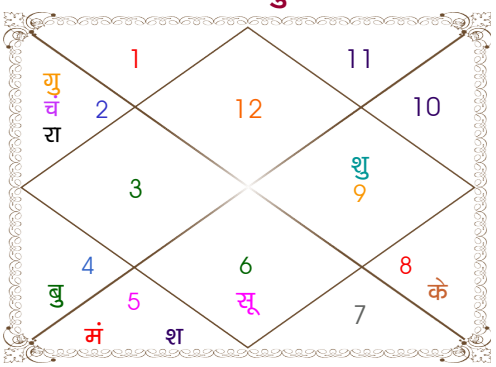

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 5 मास 0 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/09/2025		05/02/2031		04/02/2038		05/02/2056		05/02/2072	
05/02/2031		04/02/2038		05/02/2056		05/02/2072		05/02/2091	
	00/00/0000	मंगल	04/07/2031	राहु	18/10/2040	गुरु	25/03/2058	शनि	08/02/2075
	00/00/0000	राहु	21/07/2032	गुरु	13/03/2043	शनि	05/10/2060	बुध	18/10/2077
	00/00/0000	गुरु	27/06/2033	शनि	17/01/2046	बुध	11/01/2063	केतु	27/11/2078
	05/09/2025	शनि	06/08/2034	बुध	05/08/2048	केतु	18/12/2063	शुक्र	26/01/2082
शनि	06/12/2026	बुध	03/08/2035	केतु	24/08/2049	शुक्र	18/08/2066	सूर्य	08/01/2083
बुध	06/05/2028	केतु	30/12/2035	शुक्र	24/08/2052	सूर्य	06/06/2067	चंद्र	09/08/2084
केतु	05/12/2028	शुक्र	28/02/2037	सूर्य	18/07/2053	चंद्र	05/10/2068	मंगल	17/09/2085
शुक्र	06/08/2030	सूर्य	06/07/2037	चंद्र	17/01/2055	मंगल	11/09/2069	राहु	24/07/2088
सूर्य	05/02/2031	चंद्र	04/02/2038	मंगल	05/02/2056	राहु	05/02/2072	गुरु	05/02/2091

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/02/2091		06/02/2108		06/02/2115		06/02/2135		05/02/2141	
06/02/2108		06/02/2115		06/02/2135		05/02/2141		00/00/0000	
बुध	03/07/2093	केतु	04/07/2108	शुक्र	07/06/2118	सूर्य	26/05/2135	चंद्र	06/12/2141
केतु	30/06/2094	शुक्र	03/09/2109	सूर्य	07/06/2119	चंद्र	25/11/2135	मंगल	08/07/2142
शुक्र	30/04/2097	सूर्य	09/01/2110	चंद्र	05/02/2121	मंगल	01/04/2136	राहु	06/01/2144
सूर्य	07/03/2098	चंद्र	10/08/2110	मंगल	07/04/2122	राहु	23/02/2137	गुरु	07/05/2145
चंद्र	06/08/2099	मंगल	06/01/2111	राहु	07/04/2125	गुरु	13/12/2137	शनि	06/09/2145
मंगल	03/08/2100	राहु	25/01/2112	गुरु	07/12/2127	शनि	25/11/2138		00/00/0000
राहु	21/02/2103	गुरु	31/12/2112	शनि	06/02/2131	बुध	01/10/2139		00/00/0000
गुरु	29/05/2105	शनि	08/02/2114	बुध	06/12/2133	केतु	06/02/2140		00/00/0000
शनि	06/02/2108	बुध	06/02/2115	केतु	06/02/2135	शुक्र	05/02/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 4 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।